# History of Bihar

By : Khan Sir

## आधुनिक बिहार का इतिहास

- यूरोपीय कम्पनियों का आगमन
- प्लासी का युद्ध 1757
- बक्सर का युद्ध 1764
- 1857 का विद्रोह
- कांग्रेस की स्थापना बिहार
- स्वदेशी आंदोलन 1905
- मुजफ्फरपुर बम कांड

### प्रमुख विद्रोह

- बहावी
- फरायजी
- नोनिया
- लोटा
- तमार
- कोल विद्रोह
- संथाल विद्रोह

# History of Bihar

By : Khan Sir

## बिहार में प्रमुख आंदोलन एवं पार्टियां

होमरूल आंदोलन 1916 → चंपारण सत्याग्रह 1917 → रौलेक्ट एक्ट 1919 → खिलाफत आंदोलन 1919

↓

असहयोग आंदोलन 1920 → स्वराज पार्टी 1923 → साइमन कमीशन 1928 → सविनय अवज्ञा आंदोलन 1930

↓

सोशलिस्ट पार्टी समाजवादी पार्टी → विधानसभा का चुनाव 1937 → व्यक्ति सत्याग्रह → भारत छोड़ो आंदोलन तथा आजाद दास्ता ( जयप्रकाश नारायण )

# यूरोपीय कम्पनियों का आगमन

- पुर्तगाली – सूती वस्त्र
- डच
  - स्थापना– 1632
    पटना विश्वविद्यालय
  - व्यापार → शोरा → बारूद
    शोरा → सूती वस्त्र → कागज

# यूरोपीय कम्पनियों का आगमन

## अंग्रेज

- स्थापना- 1620
  पटना के आलमगंज
- वास्तविक
  स्थापना 1651
- मुख्य व्यापार
  - सूती वस्त्र
  - नील

गुलजारबाग में
पहली फैक्ट्री
गवर्नमेंट प्रिंटिंग प्रेस

## यूरोपीय कम्पनियों का आगमन

### अंग्रेज

- जॉब चारनाक कोलकाता की स्थापना- 1664
- फारूख सियर ( घृणित कायर ) 1713 कंपनी पर रोक
- शाही फरमान- 1717 कंपनी की पाबंदी हटा दी गई 3000 बंगाल/ 10000 सूरत
- अलीवर्दी खां के द्वारा समस्या
- हार्नवेल के प्रयास से 1755 में पुनः व्यापार शुरू

# प्लासी का यु्द्ध ( 1757 )

23 जून 1757

- सिराजुदौला
- क्लाइव
- मिर जाफर
- मिर काशिम
- बक्सर का यु्द्ध

# बक्सर यद्ध ( 1764 )

- मिर काशिम
- शुजाउद्दौला
- शाहआलम
- हेक्टर मुनरो

- 1765 ई. में रॉबर्ट क्लाइव द्वारा बंगाल में द्वध शासन लगाया गया।
- 1770 ई. में बिहार में भयानक अकाल पड़ा। उसी समय पटना में अनाज को रखने के लिए गोलघर का निर्माण हुआ।
- उस गवर्नर गवर्नर वारेन हेस्टिंग्स, वास्तुकार- जॉन गार्स्टिन।

# बिहार के प्रमुख विद्रोह

## बहावी आंदोलन

- 1820 में शुरू
- अरब निवासी अब्दुल अलबहाव जन्मदाता
- भारत में इसके जन्मदाता सैयद अहमद बरेली
- प्रमुख केन्द्र पटना
- प्रमुख नायक विलायत अली और इनायत अली
- ब्रिटिश संस्थान का विद्रोह पहली बार

# बिहार के प्रमुख विद्रोह

## फरायसी आंदोलन

- शुरूआत बंगाल
- यह आंदोलन बहावी आंदोलन से प्रेरित था।
- 1818 में शुरू हुआ
- नेतृत्व हाजी शरीयतुतल
- केन्द्र पटना

# बिहार के प्रमुख विद्रोह

## नोनिया आंदोलन

- बिहार में शोरा उत्पादक वर्ग
- विचौलिया को लेकर उचित मूल्य न मिलना
- प्रमुख केन्द्र मुजफ्फरपुर, सारण, हाजीपुर, पूर्णिया
- पुनः शुरू

# बिहार के प्रमुख विद्रोह

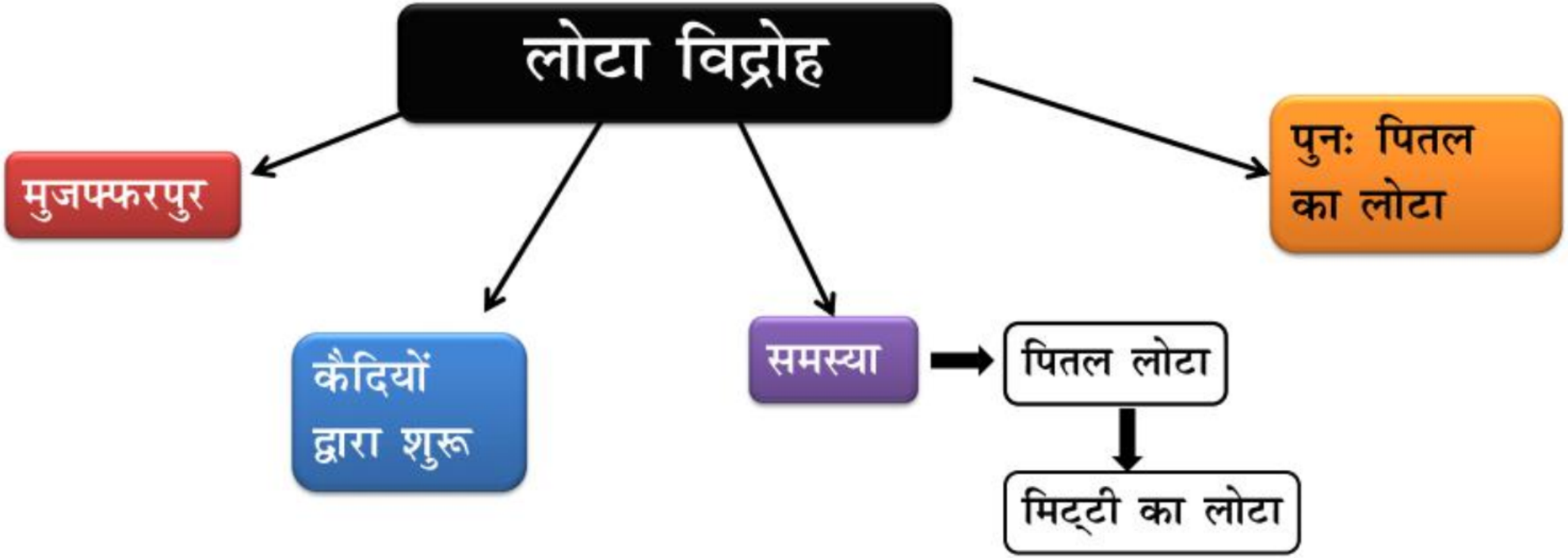

# बिहार के प्रमुख विद्रोह

**तमाड विद्रोह (1789–94)**

- उराव जनजाति → छोटानागपुर
- जमींदारों से

# बिहार के प्रमुख विद्रोह

## कोल विद्रोह

- छोटानागपुर
- चावल से शराब बनाने पर कर लगाया गया
- शुरूआत बुद्धो भगत
- मुंडा, हो, उराव, महाल जनजाति थे जिसे मैदानी क्षेत्र वाले इन्हें कोल कहते थे।
- 1832 गंगानारायण विद्रोह को आगे बढ़ाए

# बिहार के प्रमुख विद्रोह

## संथाल विद्रोह

- दिकु के द्वारा ( गैर जनजाति
- सिंधु, कान्हु को फांसी
- भागलपुर से राजमहल की पहाड़ी तक फैला
- दामन-ए-कोह भी कहा जाता है
- सिंधु, कान्हो, चांद, भैरव
- चांद भैरव को पुलिस द्वारा गोली मार देगा

# 1857 का विद्रोह

- शुरूआत 12 जून 1857 रोहिणी (देवघर)
- 32वीं इन्फेंटरी रेजीमेंट सैनिक ने विद्रोह कर दिया
- नार्मल लेस्ली और ग्रांट की हत्या रोहिणी में
- मेजर मैकडोनाल्ड विद्रोह को दबा देता है

# 1857 का विद्रोह

- पटना में 3 जुलाई पीर अली (पुस्तक विक्रेता) के नेतृत्व में
- मेजर लायर विद्रोह में मारा गया।
- टेलर ने विद्रोह को दबा दिया।
- पीर अली सहित 16 व्यक्तियों को फांसी

# 1857 का विद्रोह

- 25 जुलाई को दानापुर में सिपाहियों द्वारा विद्रोह
- 27 जुलाई को वीर कुंवर सिंह से मुलाकात
- चम्पारण, पटना, सारण इन सभी जगह सैनिक शासन ( मार्शल लॉ ) लागू
- 1857 दिसंबर में नाना साहब से कुंवर सिंह की मुलाकात

# 1857 का विद्रोह

- आरा के संघर्ष में डनवर को गोली लगी
- डनवर की मृत्यु
- लीग्रांड और कुंवर सिंह के बीच यद्ध कुंवर सिंह के बाएं हाथ में गोली घायल
- 26 अप्रैल 1858 को कुंवर सिंह की मृत्यु

# कांग्रेस की स्थापना और बिहार

- प्रथम अधिवेशन
  75 लोग
  शामिल
  - W.C. बनर्जी
    बम्बई
- 27वां अधिवेशन
  ( 1912 )- बांकीपुर पटना
  आर.एन. मधोलकर
- 37वां अधिवेशन
  ( 1922 )- गया
  सी.आर.दास
- 54वां अधिवेशन
  ( 1940 )- रामगढ़-
  अबुल कलाम
  आजाद

# बंग भंग स्वदेशी आंदोलन ( 1905 )/बंगाल विभाजन

- घोषणा 19 जुलाई 1905
- लॉर्ड कर्जन 16 अक्टूबर 1905 को प्रभाव में लाया
- सतीश चंद्र चक्रवर्ती बिहार में एक स्कूल के प्रधानाध्यापक 16 दिसंबर 1905 में दरभंगा से विद्रोह की आवाज उठाई
  - बिहार में रक्षाबंधन प्रारंभ
- बिहार स्टुडेंट कान्फ्रेंस की स्थापना- 1906 में
- पुनः 1911 में बंगाल विभाजन रद्द

# पृथक बिहार का बंटवारा

- 1580 अकबर द्वारा बिहार प्रांत का दर्जा
- 1894 ई. बिहार टाइम्स पत्रिका में पृथक बिहार की चर्चा
- 1906 में डॉ. सचिदानंद सिन्हा, महेश नारायण, राजेन्द्र प्रसाद मिलकर पृथक बिहार का नेतृत्व
- 22 दिसंबर 1911 में जॉर्ज पंचम के स्वागत में दिल्ली दरबार लगा। जिसमें बिहार को अलग करने की घोषणा।
- 22 मार्च 1912 बिहार बंगाल से अलग।
- 1 अप्रैल 1812- बिहार की स्थापना

# मुजफ्फरपुर बम कांड ( 1908 )

- 30 अप्रैल 1908 मुजफ्फरपुर
- खुदीराम बोस और प्रफुलचाकी ने जॉर्ज किंग्सफोर्ड की हत्या का प्रयास
- केनेडी की गाड़ी पर बम पत्नी तथा बेटी की मृत्यु
- समस्तीपुर भागे
- प्रफुल्लचाकी आत्म हत्या
- खुदीराम बोस को 18 वर्ष की उम्र में 11 अगस्त 1908 को फांसी

# होमरूल आंदोलन ( 1916 )

- 16 दिसम्बर 1916 को एक सभा का आयोजन
- अध्यक्ष मजहरूल हक, उपाध्यक्ष सरफराज हुसैन
- 18 अप्रैल 25 जुलाई एनी बेसेंट पटना दो बार आती है
- गांधी जी ने सहयोग जनकधारी प्रसाद मुजफ्फरपुर तथा पटना में मजहरूल हक, कुछ वकिल और व्यवसायीयों के सहयोग से होमरूल आंदोलन शुरू करते हैं
- वायसराय हार्डिंग

# चंपारण सत्याग्रह

- 1916 लखनऊ अधिवेशन
- राजकुमार शुक्ल किसान नेता, गांव ( मुरली भरहवा )
- 10 अप्रैल 1917 गांधी जी पटना आए 15 अप्रैल 1917 को चंपारण गए
- चंपारण जिला मजिस्ट्रेट धारा- 144 का उल्लंघन करने पर, गांधी जी गिरफ्तार
- चंपारण एग्रीयन कमिटी बनी सदस्य गांधी जी भी बने।

जून 1919 में मधुबनी जिले किसान के नेतृत्वकर्ता स्वामी विद्यानंद के नेतृत्व में दरभंगा महाराज के विरूद्ध आंदोलन

# रौलेक्ट एक्ट ( 1919- काला कानून )

- 6 अप्रैल 1919 से बिहार में हड़ताल होती है।
- महेन्द्र प्रसाद अनुग्रह नारायण सिंह वृजनंद प्रसाद ने अलादत का बहिष्कार किया।
- पटना, गया, मुजफ्फरपुर, भागलपुर में इस एक्ट का विरोध
- जालियावाला बाग हत्याकांड से गांधी जी दुखी। 1 अगस्त 1920 से असहयोग आंदोलन शुरू किया गया।
- राजेन्द्र प्रसाद अपनी वकालत छोड दिए

# खिलाफत आंदोलन- 1919

- नवंबर 1919 हसन इमाम की अध्यक्षता में एक सभा का आयोजन हुआ।
- 19 मार्च 1920 बिहार के सभी मुसलमान हड़ताल
- 1924 में मुस्तफा कमाल पासा द्वारा खलीफा पद समाप्त

# असहयोग आंदोलन- 1920

- सितम्बर 1920 में लालालाजपत राय की अध्यक्षता में एक विशेष अधिवेशन बुलाया गया और प्रस्ताव पारित किया गया।
- नागपुर अधिवेशन में यह आंदोलन पूर्णतः पारित हो गया।
- बिहार प्रांतीय सम्मेलन के 12 वें अधिवेशन भागलपुर में राजेन्द्र प्रसाद की अध्यक्षता में असहयोग आंदोलन पर बल दिया गया।
- राजेन्द्र प्रसाद, मजहरूल हक, वृज किशोर प्रसाद, मुहम्मद सफी ने विधायिक चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया।
- राजेन्द्र प्रसाद वकालत पेशा छोड दिए।

# असहयोग आंदोलन- 1920

- रायसाहेब व महेन्द्र प्रसाद ने मजिस्ट्रेट के पद से त्याग दे दिया।
- शिक्षा के लिए राष्ट्रीय महाविद्यालय की स्थापना। जिसके प्राचार्य राजेन्द्र प्रसाद थे।
- बिहार विद्यापीठ की स्थापना का उद्घाटन 6 फरवरी 1921 में हुआ। जिसके कुलाधिपति मजहरूल हक थे।
  - कुलपति- बृज किशोर प्रसाद

# असहयोग आंदोलन- 1920

- 30 सितम्बर 1921 सदाकत आश्रम की स्थापना ( मजहरूल हक द्वारा 'द मदरलैंड नामक अखबार निकाला )
  - उद्देश्य → हिन्दु मुस्लिम एकता
- 1921 प्रिंस ऑफ वेल्स का पटना में आगमन हुआ। काला झंडा दिखा गया।
- 5 फरवरी 1922 को चौरी चौड़ा कांड के साथ समाप्त
- पटना में ज्यादा प्रभाव

# स्वराज पार्टी

- 37वां अधिवेशन गया के गांव तेन्नई में। अध्यक्षता- सी.आर दास
- कांग्रेस द्वारा विधायिका द्वारा विधायिका बहिष्कार का निर्णय
- सी.आर दास और मोतीलाल नेहरू, विधायिका में प्रवेश
- 1923 में सी. आर दास और मोतीलाल नेहरू इलाहाबाद में स्वराज पार्टी की स्थापना

# स्वराज पार्टी

बिहार में इसके प्रमुख नेता- श्री कृष्ण सिंह

बिहार में अध्यक्ष नारायण प्रसाद
सचिव - अब्दुल वारी

# साइमन कमीशन और बिहार

1927

- कुल 7 लोग शामिल सभी के सभी अंग्रेज
- 1928 भारत आया
- मांटेग्यू चेम्सफोर्ड (1919) सुधार की जांच करना
- राष्ट्रीय स्तर पर लाला लाजपत राय के द्वारा विद्रोह शुरू हुआ
- 12 दिसम्बर 1928 बिहार में साइमन पटना आया।
- अनुग्रह नाराण सिंह ने इसके विरोध का नेतृत्व प्रदान किए।

# सविनय अवज्ञा आंदोलन

- लाहौर अधिवेशन 1929 में नेहरू जी के नेतृत्व में पारित
- 26 जनवरी 1930 को सम्पूर्ण बिहार में स्वाधिनता दिवस मनाया गया
- 12 मार्च 1930 गांधी जी साबरमती से दांडी यात्रा शुरू 78 सेवकों के साथ
- 29 दिन बाद 5 अप्रैल 1930 को दांडी पहुंचकर नमक कानून तोड़ते हैं
- 6 अप्रैल 1930 देशभर में आंदोलन की शुरूआत की जाती है

1920 → 1922 → 1924 → 1930 दांडी

# सविनय अवज्ञा आंदोलन

- गिरीवर्धन चौधरी 78 सेवकों में एकमात्र बिहार के थे
- 15 अप्रैल 1930 को बिहार में चंपारण और सारण जिले में नमक बनाया गया
- सारण जिले में इसका नेतृत्व नारायण प्रसाद, भरत मित्र ने किया
- पटना में 16 अप्रैल 1930 को आंदोलन शुरू हुआ।

# सविनय अवज्ञा आंदोलन

- दरभंगा में सत्य नारायण सिंह ने विद्रोह शुरू किया।
- मुंगेर- श्री कृष्ण सिंह
- शाहजुबैर बड़हिया ताल
- राजेन्द्र प्रसाद छपरा से

# सविनय अवज्ञा आंदोलन

- बिहार में चौकीदारी कर बंदी शुरू हुई
- सारण, चंपारण, मुंगेर, भागलपुर इन सभी जगहों से चौकीदारी कर देना बंद किया।
- चंद्रावती देवी गया से इसका विरोध किया
- मई 1930 में सर अल्ली इमाम की अध्यक्षता में स्वदेशी लीग की स्थापना की गई
  उपाध्यक्ष- सचिदानंद सिन्हा और केसी दत्त
  मुख्य सचिव- बलदेव सहाय
  एवं हसन इमाम
- पटना में विदेशी वस्त्र का बहिष्कार हसन इमाम और विंध्यवासिनी देवी महिलाओं को जाता है।

# सविनय अवज्ञा आंदोलन

5 March 1931

- 5 मई 1931 को गांधी इरविन समझोता किया गया पुनः 3 जनवरी 1932 को प्रारंभ हुई।
- छपरा जेल के कैदियों ने नंगी हड़ताल कर दिया।
- 23 मई 1931 को भगत सिंह, सुखदेव को लाहौर जेल में फांसी
  - पटना में 26 मार्च को हड़ताल रहा जिसका नेतृत्व श्री कृष्ण सिंह और जगत नारायण लाल ने उग्र भाषण के साथ किया।
- 7 अप्रैल 1934 को आंदोलन स्थगित हो गया।
- तारापुर ( मुंगेर ) झंडा फहराने के क्रम में पुलिस ने गोली चलाई।

# सोशलिष्ट पार्टी / समाजवादी पार्टी

- आचार्य नरेन्द्र देव की अध्यक्षता में 17 मई 1934 को बम्बई में पार्टी की स्थापना हुई।
- अध्यक्ष- आचार्य नरेन्द्र देव
  सचिव- जयप्रकाश नारायण
- 1948 में इसे भंग कर दिया गया।
- पहला अधिवेशन 1934 पटना में हुआ।

1931 में ही बिहार में
बिहार सोशलिष्ट पार्टी का गठन
- गंगा सरण सिंह
- रामवक्ष बेनीपुरी
- रामानंद मिश्रा

# बिहार विधानसभा चुनाव- 1937

- MG हैलेंट बिहार के राज्यपाल
- मुहम्मद यूनिस के नेतृत्व में ''पहला भारतीय अंतरीम मंत्रीमंडल 1 अप्रैल 1937 को गठन किया गया।
- बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री मो० यूनीस बने (मुख्यमंत्री को उस समय PM कहा जाता था)
- 1937 श्री कृष्ण सिंह के नेतृत्व में प्रथम कांग्रेस मंत्रीमंडल का गठन हुआ।

इसमें श्रीराम दयालु और अब्दुल बारी विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष रहे

# व्यक्तिगत सत्याग्रह

- पवनार महाराष्ट
- 1. विनोबा भावे
  2. नेहरू जी
  3. ब्रह्मदत्त
- 1. श्री कृष्ण सिंह
  2. अनुग्रह नारायण सिंह
  महिला सत्याग्रही जानकी देवी, जगतरनी देवी
- 28 नवंबर 1940 में बिहार में व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू हुआ।

# व्यक्तिगत सत्याग्रह

- 1940 ई. में रामगढ़ अधिवेशन इसकी अध्यक्षता- मौलाना अबुल कलाम आजाद
- व्यक्तिगत सत्याग्रह का नारा दिया गया।
- बिहार शरीफ में हिन्दु मुस्लिम दंगा पाकिस्तान दिवस मनाने की वजह से
- गांधी जी ने कहा था कि बिहार ही एक एसा प्रांत है जो हमें इस वक्त रास्ता दिखा सकता है एवं हमारे लिए उदाहरण बन सकता है

# History of Bihar

By : Khan Sir

## भारत छोड़ो आंदोलन

- क्रिप्स मिशन की असफलता के बाद 8 अगस्त 1942 को आंदोलन शुरू
- ऑपरेशन जीरो आवर के तहत सभी नेता गिरफ्तार
- इस आंदोलन में 'करो या मरो' का नारा पड़ा था
- 9 अगस्त 1942 राजेन्द्र प्रसाद को WG आर्चर ने बाकीपुर जेल में बंद इनके साथ मथुरा बाबु, श्री कृष्ण सिंह, अनुग्रह नारायण
- श्री बलदेव सहाय ने अपनी वकालत त्याग दिया।
- 11 अगस्त 1942 पटना सचिवालय गोली कांड
- 7 छात्रों की मौत
- जयप्रकाश नारायण हजारीबाग जेल से 9 नवंबर 1942 से फरार हो जाते है ( दीपावली )
- आजाद दस्ता छापामार युद्ध सरदार नित्यानंद द्वारा आजाद दस्ता के युवकों को प्रशिक्षण दिया गया।
- नेपाल के राजविलाश जंगल में आजाद दस्ता का गठन करते है

# भारत छोड़ो आंदोलन के बाद बिहार

- 16 अगस्त, 1946 को मुस्लिम लीग द्वारा प्रत्यक्ष कायवाही दिवस के रूप में बिहार में पूर्ण हड़ताल का आयोजन किया गया, परिणामतः सांप्रदायिक तनाव भी हुए। वल्लभ भाई पटेल ने इन तनावों पर कहा था- 'हम बहुत बड़ी भूल करेंगे यदि हम बिहार की जनता और उसके मंत्रिमंडल को मुस्लिम लीग के नेताओं के हिंसक एवं असभ्य आंदोलन के सामने असुरक्षित छोड देंगे'।
- 1946 में कैबिनेट मिशन के तहत राज्यों के वर्गीकरण में बिहार को ग्रुप-ए में रखा गया था।
- 1946 में बिहार में बने प्रांतीय सरकार का नेतृत्व श्री कृष्ण सिंह ने किया था।

# भारत छोड़ो आंदोलन के बाद बिहार

- संविधान सभा- बिहार से 36 सदस्य शामिल, 9 दिसंबर, 1946 को बिहार के सचिदानंद सिन्हा संविधान सभा के पहले अध्यक्ष (अस्थायो) बनाए गए, 11 दिसंबर, 1946 को राजेन्द्र प्रसाद इसके स्थायो अध्यक्ष बनाए गए ।
- कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष में बिहार का योगदान एवं भूमिका प्रत्यक चरण में विशिष्ट है जिसमें बिहार के प्रत्यक वर्ग का योगदान उल्लेखनीय रहा। 1857 के विद्रोह में यदि कुंवर सिंह ने ब्रिटिश सत्ता को खुली चुनौती दी तो भारत छोड़ो आंदोलन में आजाद दास्ता ने संघर्ष को एक नई रोशनी दी।

# स्वतंत्रता आंदोलन में बिहार की महिलाओं की भूमिका

- स्वतंत्रता आंदोलन के विभिन्न चरणों में जनता के विभिन्न वर्गों की भूमिका रही है। इस संदर्भ में बिहार की महिलाओं ने राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न चरणों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस योगदान को हम निम्नलिखित तथ्यों में देख सकते हैं–

| आंदोलन | नाम | गतिविधियाँ |
|---|---|---|
| असहयोग आंदोलन | सरला देवी | इस आंदोलन के दौरान बहिष्कार कार्यक्रमों में सक्रिय, विशेषकर छात्रों से स्कूल, कॉलेज आदि छोड़ने की अपील। |
| | सावित्री देवी | 1921 में प्रिंस ऑफ वेल्स के आगमन के विरोध की अगुवाई की। |

# स्वतंत्रता आंदोलन में बिहार की महिलाओं की भूमिका

| आंदोलन | नाम | गतिविधियाँ |
|---|---|---|
| सविनय अवज्ञा आंदोलन | राजवंशी देवी | राजेन्द्र प्रसाद की पत्नी, पटना में स्वाधीनता दिवस मनाने के कारण इन्हें गिरफ्तार किया गया। |
| | शैलबाला राय | संथाल परगना क्षेत्र में नमक सत्याग्रह का नेतृत्व किया। |
| | सरस्वती देवी | हजारीबाग कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष, सक्रिय भागीदारी के कारण 6 माह की जेल। |

| | | |
|---|---|---|
| ड़ो आंदोलन | रामप्यारी देवी | जगत नारायण लाल की पत्नी ने बांकीपुर जेल मे<br>जनता में नौकरी छोड़ने की अपील की। |
| | भगवती देवी | राजेन्द्र प्रसाद की बहन, पटना में महिलाओं के ि<br>नेतृत्व किया। |
| | शांति देवी | छपरा में महिलाओं की विशाल जनसभा का आय |
| | शारदा एवं सरस्वती बहनें | छपरा के दिघवारा प्रखण्ड में राष्ट्रीय झंडा फहरा<br>को 14 वर्ष तथा सरस्वती को 11 वर्ष की जा मि |
| | सुनीति देवी एवं राधिका देवी | पुरुष वेश में साइकिल यात्रा द्वारा जनजागरण कि |
| | सरस्वती देवी | इनके नेतृत्व में हजारीबाग में विशाल जनप्रदर्शन ह |
| | जिरियावती देवी | अंग्रेज सिपाही को गोली मारी। |

# स्वतंत्रता आंदोलन में बिहार की महिलाओं की भूमिका

- इस प्रकार, हम देखते हैं कि बिहार की महिलाओं ने राष्ट्रीय आंदोलन के कायक्रमों के प्रचार-प्रसार में उल्लेखनीय भूमिका निर्वहन किया। साथ ही, महिलाओं की सक्रिय भूमिका से समाज के अन्य वगों की राष्ट्रीय आंदोलन में भागीदारी की चेतना बढ़ी।

1. किसान सभा ( 1922 – 23 ) = मुंगेर
   - अध्यक्ष = शाह मुहम्मद
   - उपाध्यक्ष = श्री कृष्ण सिंह

2. बिहार प्रंतीय किसान सभा ( 1929 ) = सोनपुर ( भुमिहार किसान के लिए )

- अध्यक्ष = स्वामी सहजानन्द सरस्वती
- महासचिव = श्रीकृष्ण सिंह
- 1929 में सदार पटेल बिहार आए
- दरभंगा = राहुल सांकृत्यायन
- सारण = यमुना कार्थी
- गया = यदुनंदन शर्मा

## 3. बिहार समाजवादी पार्टी

स्थापना = 1931

फुलन प्रसाद वर्मा तथा

जय प्रकाश नरायण ने स्थापना किया।

4. द्वितीय प्रान्तीय किसान सभा ( 1934 )

= पुरूषोतम दास टण्डन — गया

5. तृतीय प्रान्तीय किसान सभा ( 1935 )

= स्वामी सहजानन्द सरस्वती — हाजीपुर

6. अखिल भारतीय किसान सभा ( 1936, लखनऊ )

स्वामी सहजानन्द सरस्वती = अध्यक्ष

N. G रंग = महासचिव

7. रामकृष्ण सोसाइटी ( 1906 )

पटना, ( बाबा जी ठाकूर दास )

= The Motherland ( पत्रिका )

8. 1913 में शचीन्द्र सान्याल ने, अनुशीलन समिती की शाखा पटना में खोली, बनारस षडयंत्र में शचीन्द्र सान्याल को काला पानी की सजा हुई।

9. अनुशीलन समिती की शाखा

- भागलपुर = रेवती नाग
- बक्सर = यदुनाथ सरकार

10. लाहौर षडयंत्र के गवाह फणीन्द्र घोष की हत्या (बेतिया) में बैकुण्ठ शुक्ल ने कर दिया।

11. खुदीराम बोस के वकील कालीदास बसु थे। शान्ति स्वरूप ने मुज्जफरपुर काण्ड पर लेख लिखा तो उन्हे सजा हो गई।